बच्चों के लिए बाइबिल

प्रस्तुति

कुँवें पर की एक स्त्री

लेखक: Edward Hughes

व्याख्याकार: Lazarus

रूपान्तरकार: Ruth Klassen

अनुवाद: Suresh Kumar Masih

Alastair Paterson

प्रस्तुतकर्त्ता: Bible for Children
www.M1914.org

©2020 Bible for Children, Inc.
अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

यीशु और उसके चेले सामरिया के देश से होकर यात्रा कर रहे थे। वे सूखार नामक एक शहर के करीब आये।

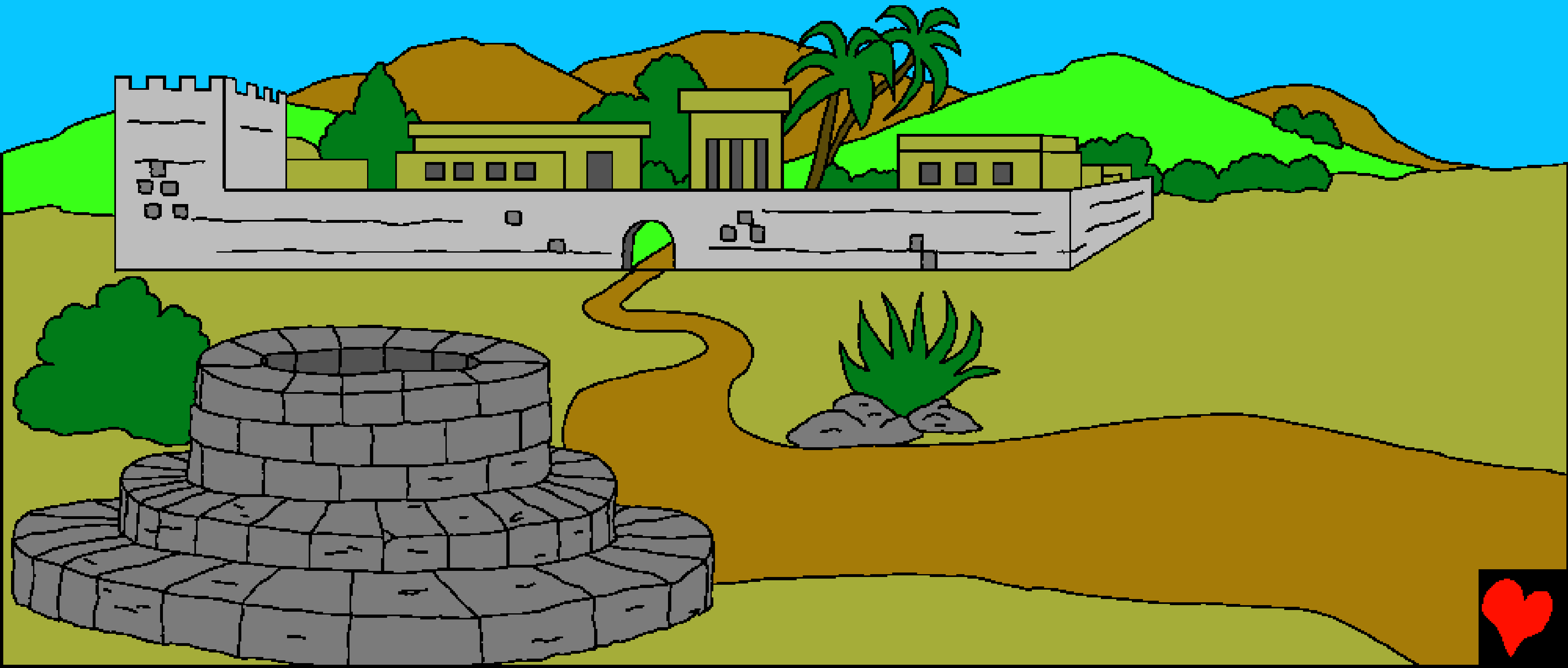

वहाँ एक कुँवा था जहाँ सूखार के लोग पीने का पानी निकाला करते थे। याकूब, इस्राएलियों के पिता ने इस कुँवे को बहुत पहले खुदवाया था।

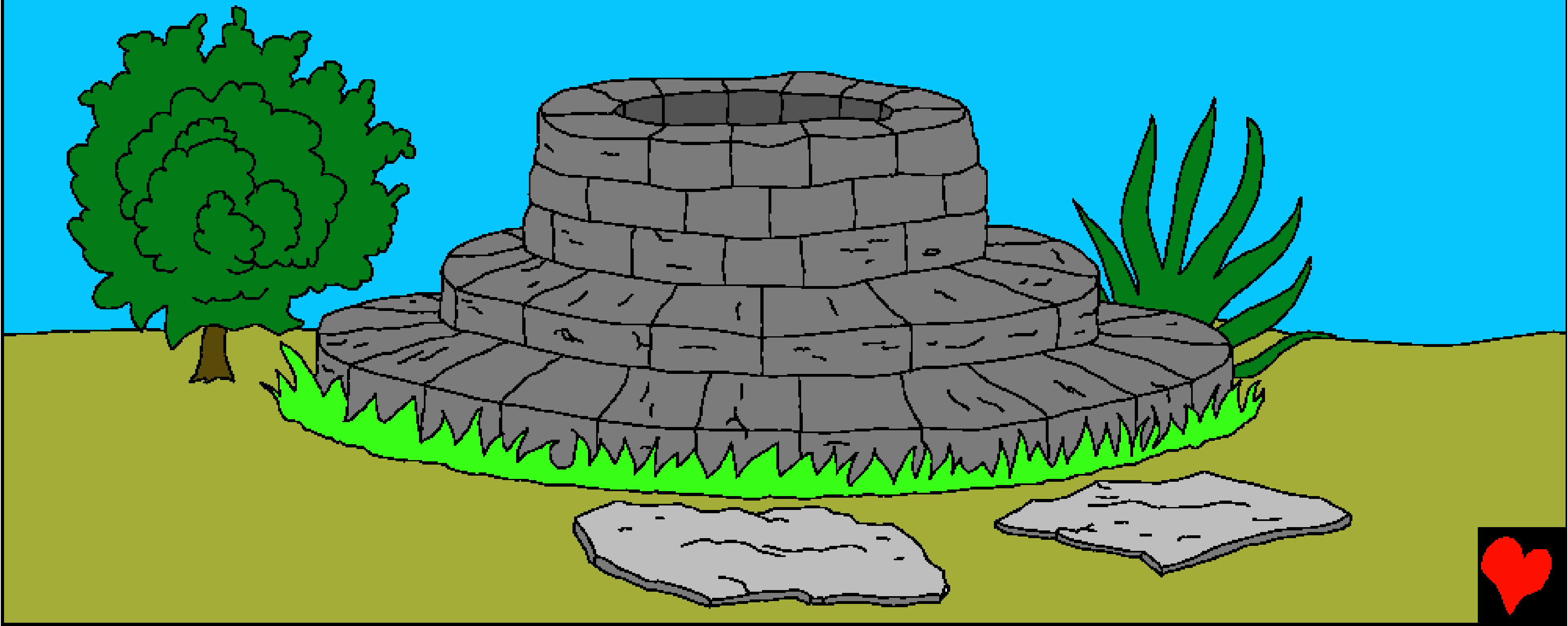

दोपहर को शायद बहुत धूप और गर्मी थी। त्रस्त थका, यीशु कुँवे पर बैठ गया। तब तक चेले भोजन खरीदने के लिए सूखार नगर को चले गए।

वहां यीशु बिल्कुल
अकेला था - लेकिन
थोड़े समय बाद सूखार
नगर से एक औरत
पानी भरने के लिए
आयी। यीशु ने उस से
कहा, "मुझे पीने के
लिए पानी दो।"

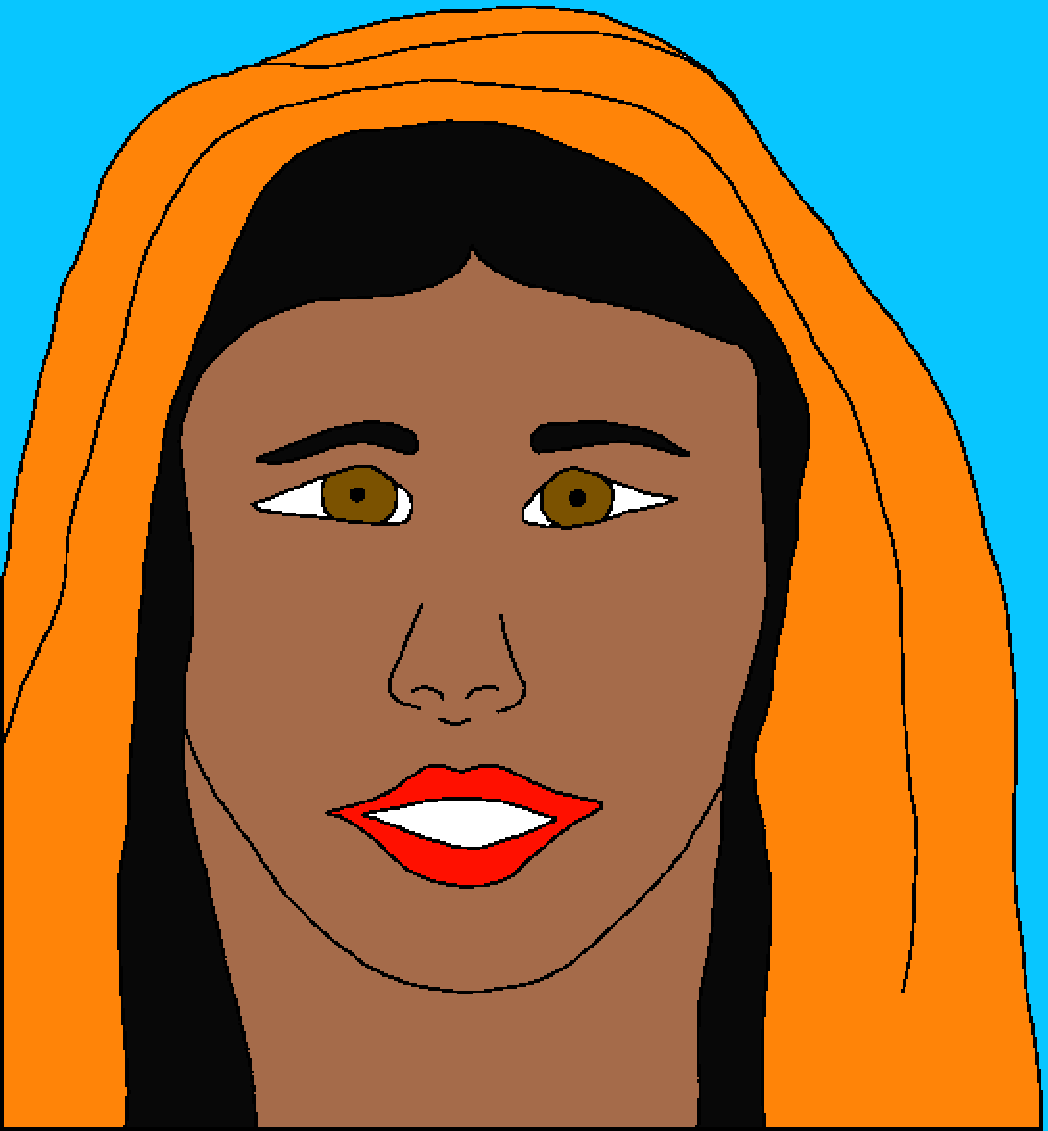

महिला आश्चर्यचकित हो गयी। उसने कहा, "तुम एक यहूदी होते हुवे भी एक सामरी औरत से पीने के लिए पानी कैसे मांग सकते हो?" उन दिनों में, यहूदी लोग सामरियों से कोई लेन देन नहीं रखते थे!

जब यीशु ने उससे यह कहा, वह ज्यादा हैरान थी। "यदि तुम मुझे जानती की मै कौन हूँ?, तो आप मुझसे जीवन के जल को माँगती।"

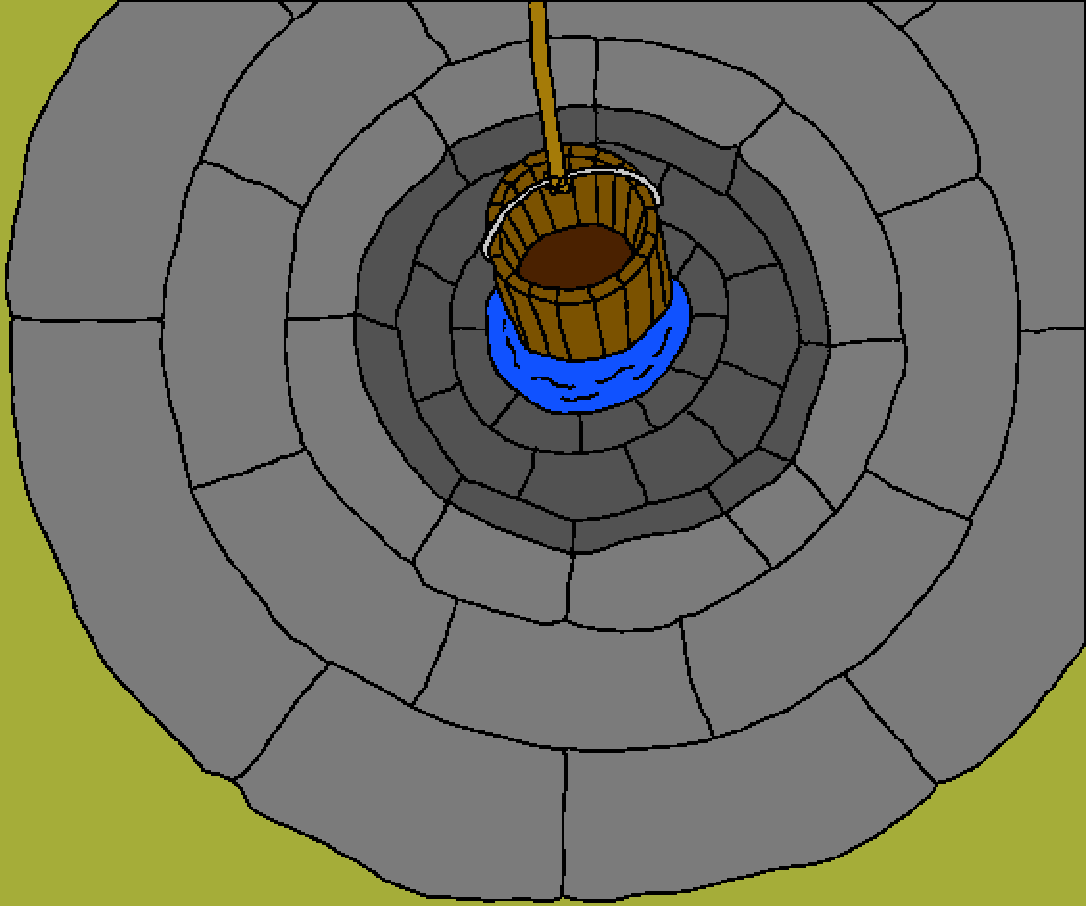

महिला, यीशु से कहा,
"श्रीमान, आपके पास
पानी निकालने के लिए कुछ
भी नहीं है, और यह कुँवा बहुत
गहरा है। तो फिर आप उस जीवन के जल को
कैसे निकालेंगे? क्या आप हमारे पिता, याकूब
से बड़े हैं जिन्होंने हमें यह कुँवा दिया है ...?"

यीशु ने उस स्त्री से कहा, "जो कोई भी इस पानी को पीता है वह फिर से प्यासा हो जायेगा। लेकिन जो जीवन का जल मै देता हूँ उससे वह फिर कभी भी प्यासा नहीं होगा। जो जल मैं देता हूँ ... वह उनमे अनन्त जीवन के पानी का एक सोता बन जाएगा।" स्त्री ने कहा, "श्रीमान, उस जल को मुझे दें ..."

यीशु ने कहा, जाओ अपने पति को बुलाकर लाओ। "मेरा कोई पति नहीं है," महिला ने जवाब दिया। यीशु ने कहा, "तुम पांच पति कर चुकी हो" "और जो अभी तुम्हारे साथ है वह भी तुम्हारा पति नहीं है।"

महिला जान ली की यीशु एक नबी था। उसने परमेश्वर की पूजा करने के बारे में बहस करने की कोशिश की: परमेश्वर की पूजा यरूशलेम में करें या सामरीयों के 'पवित्र पर्वत पर, यीशु ने जबाब दिया की सच्चे उपासक पिता परमेश्वर की उपासन आत्मा और सच्चाई से करते है।

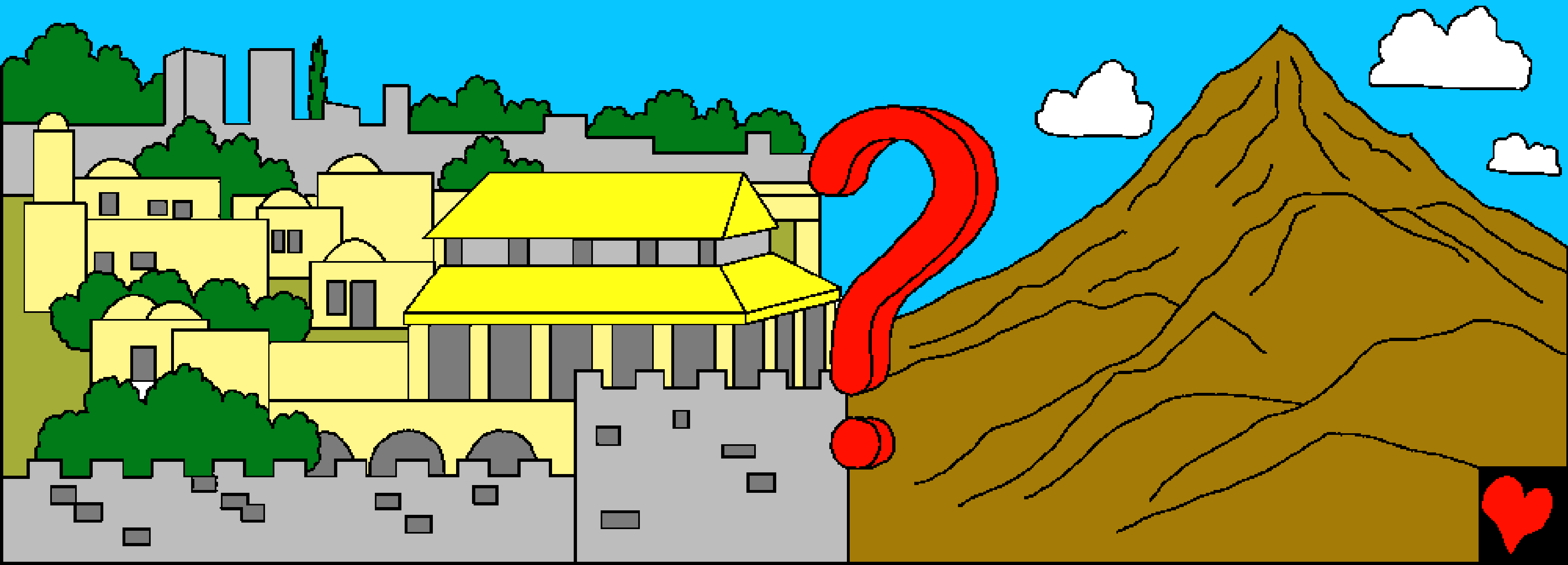

स्त्री ने यीशु से कहा, "मैं जानती हूँ की मसीहा आने वाला है" जब वह आएगा, तब वह हमें सब बातें बतायेगा। जिससे तुम बातें कर रही हो मैं वही हूं, "यीशु ने उसे बताया" तभी, चेले वापस आ गये। स्त्री कीमती घड़े को वही छोड़कर वहाँ से अपने शहर को लौट गयी।

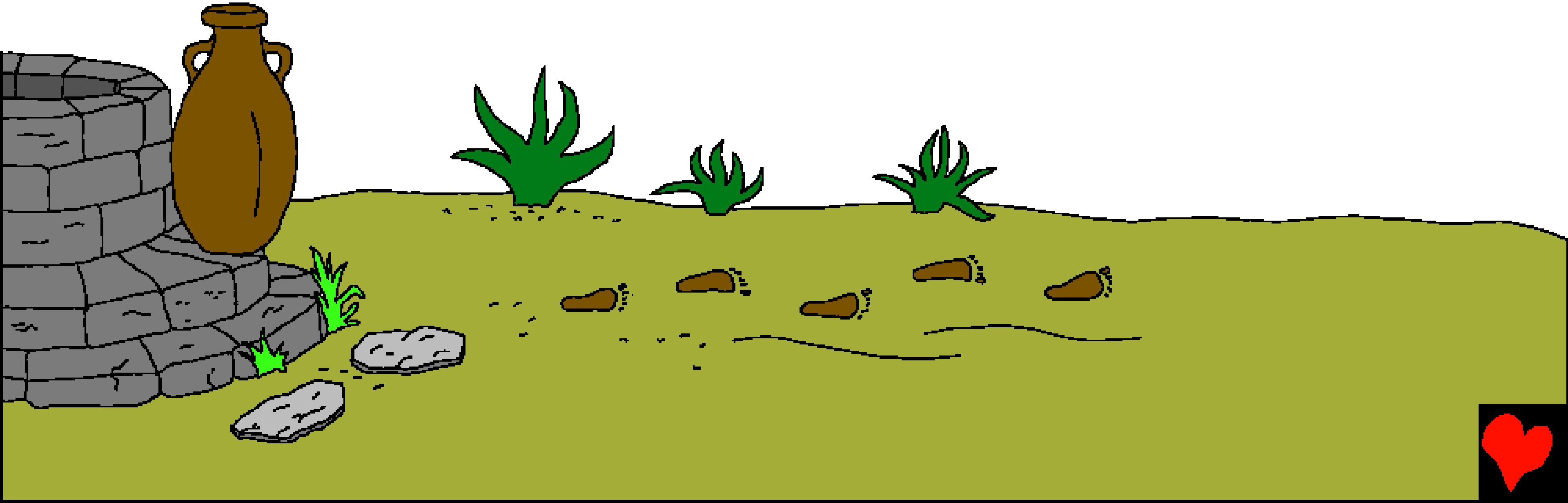

"स्त्री ने सूखार शहर में जाकर सभी आदमियों से बताने लगी की आओ इस आदमी को देखो जिसने सबकुछ मुझे बता दिया है", जो मैंने हमेशा किया था। "क्या यही मसीह है?" पुरुषों ने यीशु को देखने के लिए शहर छोड़, आ निकले।

इस बीच, चेलों ने यीशु को खाने के लिए कहा। लेकिन यीशु ने कहा "मेरा खाना मेरे भेजाने वाले की इच्छा पूरी करना और उसका काम पूरा करना है।" उनका काम लोगों को परमेश्वर के पास लाना था।

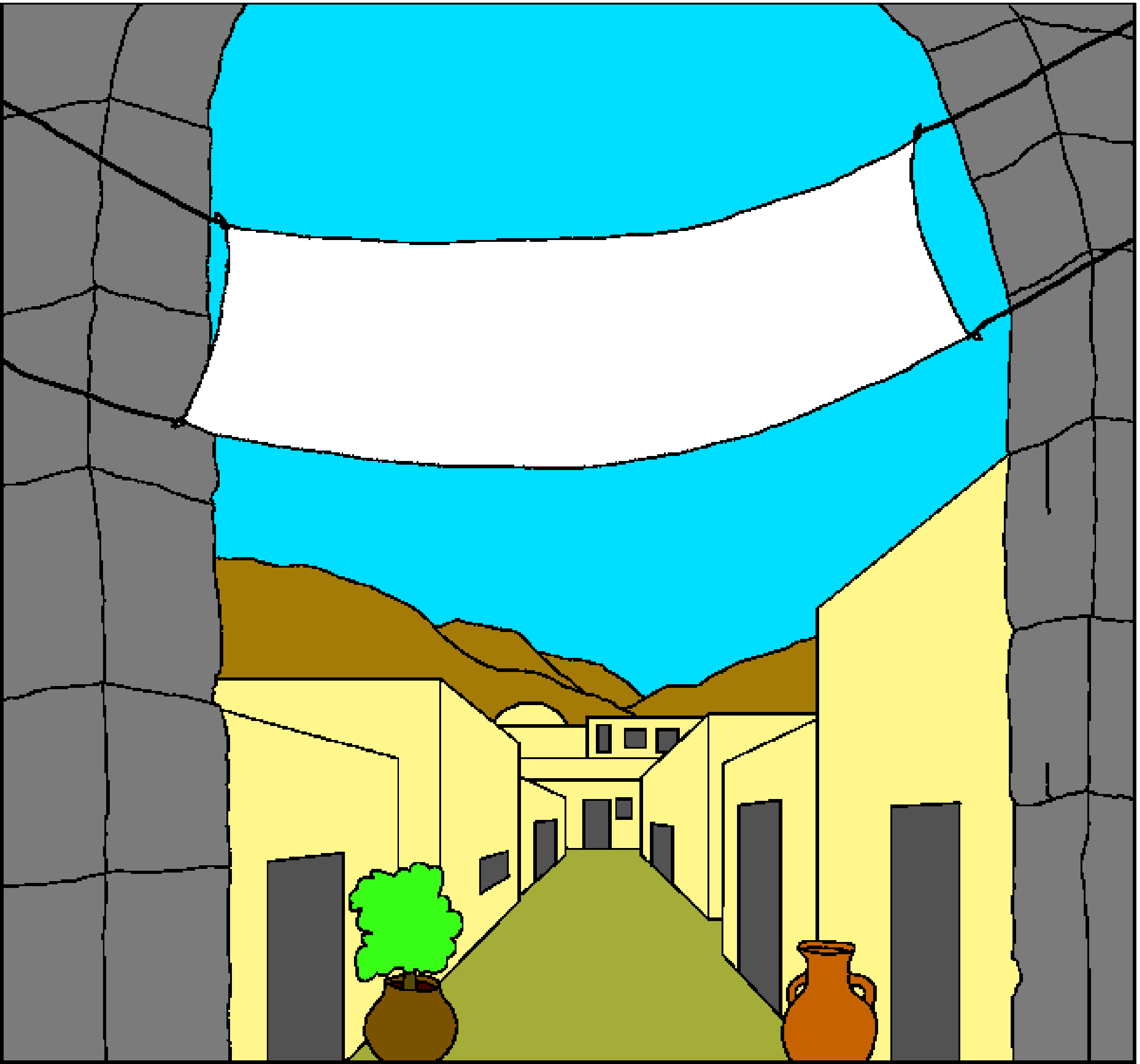

उस स्त्री के
कारण बहुतेरे उस
पर विश्वास
किये। वे यीशु को
उनके साथ रहने
के लिए कहा;
और यीशु वहां दो
दिन तक उनके
साथ रहा।

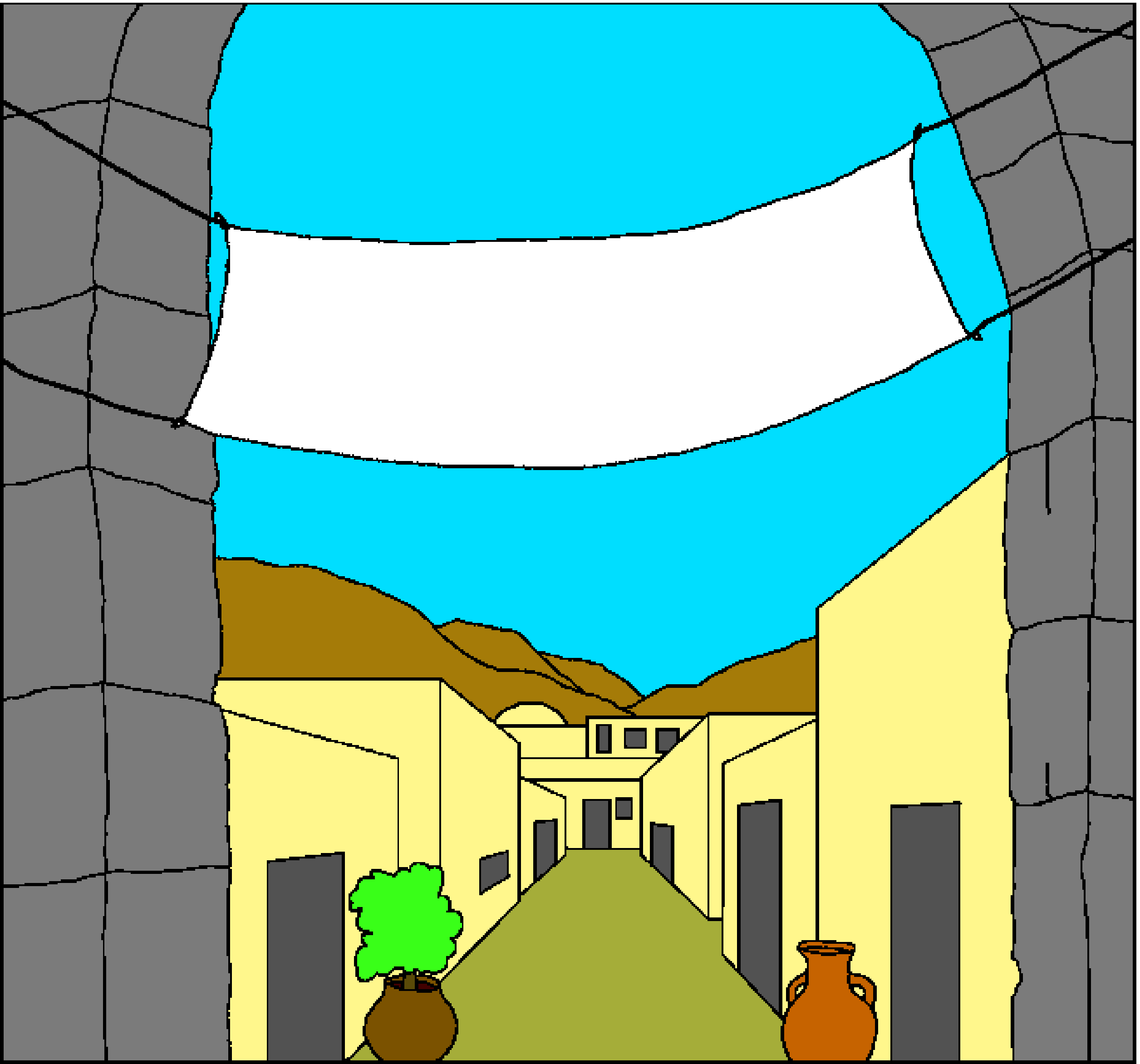

कई अधिक लोगों ने यीशु के वचनों के कारण विश्वास किया "उन्होंने कहा, जैसे हमने खुद ही सुना और देखा है की यह वास्तव में मसीह है, और दुनिया का उद्धारकर्ता है।"

कुँवें पर की एक स्त्री

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

यूहन्ना 4

“जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।”
प्लाज्म 119:130

समाप्त

बाइबल की यह कहानी हमें अपने उस अद्भुत परमेश्वर के बारे में बतलाती है जिसने हमें बनाया और जो चाहता है कि आप उसे जानें।

परमेश्वर जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप मानता है। पाप की सज़ा मौत है किंतु परमेश्वर आपसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने एकमात्र पुत्र यीशु को इस दुनिया में भेजा ताकि वह सूली (क्रॉस) पर चढ़कर आपके पापों की सजा भुगते। यीशु मरने के बाद पुन: जीवित हुआ और स्वर्ग में अपने घर चला गया। यदि आप यीशु में विश्वास करते है और उससे अपने पापों की क्षमा मांगते हैं तो वह अपकी प्रार्थना सुनेगा। वह अभी आकर आपके अंदर बसेगा और आप हमेशा ही उसके साथ बने रहेंगे।

यदि आपको विश्वास है कि यह सब कुछ सच है, तो परमेश्वर से कहें: प्रिय यीशु, मुझे विश्वास है कि तू ही परमेश्वर है और मनुष्य के रूप में अवतरित हुआ ताकि मेरे पापों की वजह से। मौत की सजा भुगत सके और अब तू पुन: जीवित हुआ है। कृपया मेरी ज़िंदगी में आकर मेरे पापों को क्षमा कर, ताकि मुझे एक नया जीवन मिले और एक दिन मैं हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ हो लूं। हे यीशु, मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी हर आज्ञा का पालन कर सकूं और तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं। आमीन।

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर से बात करें! जॉन 3:16